Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding the growing crimes and law and order sitiations in Jharkhand.

डॉ. निशिकांत दुबे (गोड्डा): धन्यवाद अध्यक्ष महोदय, मैं जिस इलाके और जिस राज्य से आता हूं, उस इलाके में आज के समय, पूरे झारखंड राज्य में चोरी, डकैती, लूट, हत्या और बलात्कार की घटनाएं बहुत बढ गई हैं । पिछले साल नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के हिसाब से कुल 55,000 क्राइम हुए थे । अभी कोविड के बाद, जबकि पूरे देश में अपराध कम हो गया है, लेकिन हमारे यहां अभी तक 75,000 से ज्यादा अपराध रजिस्टर्ड हो गए हैं । इतना ही नहीं, वर्ष 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के पहले वर्ष 1855 में सिद्धू कान्हू जी, जिन्होंने स्वतंत्रता का बिगुल बजाया था, उनके वशंज तक की हत्या हो चुकी है । हमारा राज्य तिरुपति से पशुपति, एक तरफ चीन के पीएलए से ग्रसित है, दूसरी तरफ, बांग्लादेश और पाकिस्तान के लोग आईएसआई एक्टिविटी को बढ़ा रहे हैं ।

अध्यक्ष महोदय, आपको ध्यान हो कि नेटफ्लिक्स पर 'जामताड़ा' एक बहुत बढ़िया सीरियल चल रहा है । जामताड़ा जो इस देश के साइबर क्राइम का कैपिटल है, वह भी हमारे इलाके में है। इन सारी घटनाओं के बढ़ने के पीछे का कारण यह है कि वहां कांस्टिट्यूशनल क्राइसिस हो गया है । सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद डीजीपी की नियुक्ति यूपीएससी करती है, जो एक कांस्टिट्यूशनल बॉडी है । गृह मंत्रालय और यूपीएससी के बार-बार मना करने के बावजूद भी वहां की राज्य सरकार एक प्रभारी डीजीपी को पिछले छ: महीने से कंटीन्यू किए हुई है। यूपीएससी के मना करने के बाद भी वह कहती है कि यूपीएससी का मेरी पोस्टिंग में कोई रोल नहीं है, सुप्रीम कोर्ट का कोई रोल नहीं है, गृह मंत्रालय का कोई रोल नहीं है। इसीलिए, मैं आपके माध्यम से गृह मंत्रालय से यह अनुरोध करना चाहता हूं कि इस कांस्टिट्यूशन क्राइसिस को खत्म करें और यदि राज्य सरकार नहीं मानती है तो राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाएं । जय हिन्द, जय भारत ।

माननीय अध्यक्ष : कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल, श्री उन्मेश भैय्यासाहेब पाटिल और डॉ. (प्रो.) किरिट प्रेमजीभाई सोलंकी को श्री निशिकांत दुबे द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।